कथक केन्द्र, लखनऊ

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

(खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय से समकक्षता प्राप्त)

लखनऊ कथक घराने के प्रचार–प्रसार एवं उन्नयन हेतु उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के अन्तर्गत वर्ष 1972 में कथक केन्द्र, लखनऊ की स्थापना की गयी थी। गुरू–शिष्य परम्परा पर आधारित कथक प्रशिक्षण हेतु लखनऊ घराने के नृत्याचार्य गुरू स्व. लच्छू महाराज को प्रारम्भ में संचालक के रूप में नियुक्त किया गया। सन् 1978 में पं. लच्छू महाराज के देहावसान के उपरान्त गुरू विक्रम सिंह एवं उनके स्वर्गवास के उपरांत पद्मश्री दमयन्ती जोशी को क्रमशः गुरू/निदेशक पद पर नियुक्त किया गया। उसके पश्चात श्रीमती कपिला राज निदेशक पद पर कार्यरत रहीं।

अपने अनुभवी शिक्षक मंडल के साथ केन्द्र ने विगत 47 वर्षों के इतिहास में अनेक प्रतिभाशाली कलाकार नृत्य जगत को दिये हैं। कथक केन्द्र द्वारा देश–विदेशों में प्रतिवर्ष कथक समारोहों, नृत्य संध्याओं तथा ग्रीष्मकालीन कथक कार्यशालाओं का आयोजन भी सम्पन्न किया जाता है।

प्रशासनिक व्यवस्था एवं प्रबन्ध

कथक केन्द्र, लखनऊ का प्रबन्ध उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के अन्तर्गत कथक केन्द्र प्रबन्धक समिति द्वारा संचालित किया जाता है।

नियमावली

1. कथक केन्द्र के सभी वर्गों में शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों के नामांकन हेतु विज्ञप्ति प्रत्येक वर्ष माह जून में प्रकाशित की जायेगी तथा उनके नामांकन का कार्य 20 जुलाई तक पूर्ण कर लिया जायेगा।
2. चयनित अभ्यार्थियों को साक्षात्कार के लिये मार्ग–व्यय आदि देय न होगा।
3. प्रारम्भिक, डिप्लोमा (जूनियर एवं सीनियर) कक्षा में प्रवेश हेतु न्यूनतम आयु क्रमशः 8,11,14 एवं 15 होगी। (1 जुलाई तक न्यूनतम आयु सीमा प्राप्त करना अनिवार्य है।)
4. निदेशक/सचिव एवं संबधित गुरू की पूर्व अनुमति के बिना केन्द्र के विद्यार्थी किसी सांस्कृतिक कार्यक्रम में पारिश्रमिक लेकर अथवा बिना पारिश्रमिक लिये भाग नही ले सकेंगे।
5. केन्द्र में कम से कम तीन वर्ष शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात् ही प्रमाणपत्र देय होगा।
6. केन्द्र द्वारा किसी भी स्थान पर आयोजित कार्यक्रमों में नृत्य प्रदर्शन करने से कोई विद्यार्थी इंकार नहीं कर सकेगा।
7. प्रवेश, प्रशिक्षण तथा अन्य शुल्क विद्यार्थी द्वारा यथासमय देने होगें।
8. केन्द्र द्वारा निर्धारित नियमों का पालन न करने अथवा प्रगति असंतोषजनक होने पर किसी भी विद्यार्थी को किसी भी समय बिना पूर्व सूचना के केन्द्र से निष्कासित किया जा सकेगा।
9. अवकाश के अतिरिक्त केन्द्र का प्रशिक्षण समय अपरान्ह 1.00 से 6.00 बजे तक के बीच होगा।
10. प्रत्येक विद्यार्थी की कक्षा में कम से कम 90 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है।
11. कक्षा के समय निदेशक/सचिव/सम्बंधित गुरू की अनुमति के बिना कोई विद्यार्थी किसी अतिथि को कक्षा में नहीं ला सकेगा।

12. शुल्क की राशि प्रत्येक माह की 15 तारीक्ष तक जमा करना आवश्यक है। 16 तारीख से माह की अन्तिम तिथि तक शुल्क 10.00 रूपये प्रतिदिन अधिभार सहित स्वीकार किया जा सकेगा। माह की अन्तिम तिथि तक शुल्क न जमा होने पर विद्यार्थी का नाम केन्द्र से काट दिया जायेगा।

13. ग्रीष्मावकाश प्रारम्भ होने से पूर्व छात्र/छात्राओं को प्रत्येक दशा में मई व जून का शुल्क जमा कर देना होगा।

14. आवेदन पत्र के साथ आयु तथा शैक्षिक योग्यता के प्रमाणपत्रों की सत्यापित प्रतिलिपि संलग्न करनी होगी। आवेदन पत्र में निर्धारित स्थान पर पासपोर्ट आकार का चित्र लगाना अनिवार्य होगा।

15. केन्द्र का अपना कोई छात्रावास नहीं है। अतः लखनऊ के बाहर से आने वाले छात्र/छात्राओं को अपने रहने की व्यवस्था स्वयं करनी होगी।

16. केन्द्र में शिक्षा ग्रहण करने हेतु नामांकन के लिये अभ्यार्थियों को रू. 50.00 प्रवेश शुल्क के रूप में तथा रू. 100.00 काशन मनी के रूप में जमा करना होगा। काशन मनी शिक्षा पूरी करने के उपरान्त प्रार्थना पत्र दिये जाने पर वापस की जायेगी।

17. प्रत्येक वर्ग के प्रशिक्षणार्थियों को निम्नलिखित दरों के अनुरूप मासिक शुल्क जमा करना अनिवार्य होगा:

(अ)	तीन वर्षीय पाठ्यक्रम (प्रारम्भिक पाठ्यक्रम)	–	रू.200/–
(ब)	तीन वर्षीय जूनियर डिप्लोमा	–	रू.300/–
(स)	द्विवर्षीय सीनियर डिप्लोमा	–	रू.350/–
(द)	एक वर्षीय पोस्ट डिप्लोमा	–	रू.400/–

प्रशिक्षण उद्देश्य

- कथक नृत्य के शिक्षार्थियों में नृत्य अभिरूचि सृजित करने एवं नृत्य के सूक्ष्मतम अंगों के गहन प्रशिक्षण के द्वारा उनको विधिवत् प्रशिक्षित करना।
- नव–शिक्षार्थियों को कथक नृत्य के प्रयोगात्मक एवं शास्त्र पक्ष का वास्तविक बोध कराना।
- कथक नृत्य की विशुद्ध पद्धति के आधार पर प्रदर्श–योग्यता का परिमार्जन एवं मंच प्रदर्शन की क्षमता में अभिवृद्धि करना।

क्र.सं.	आयु सीमा	न्यूनतम आयु	अधिकतम आयु
1.	तीन वर्षीय पाठ्यक्रम (प्रारम्भिक पाठ्यक्रम)	08 वर्ष	15 वर्ष
2.	तीन वर्षीय जूनियर डिप्लोमा	11 वर्ष	18 वर्ष
3.	द्विवर्षीय सीनियर डिप्लोमा	14वर्ष	21 वर्ष
4.	एक वर्षीय पोस्ट डिप्लोमा	15 वर्ष	28 वर्ष

नियमावली में आयु–सीमा शिथिल करने का प्राविधान भी निम्नवत् रखा जाये, ''न्यूनतम एवं अधिकतम आयु–सीमा'' को अधिकतम तीन माह हेतु शिथिल करने का अधिकार निदेशक/सचिव को होगा। विदेशी प्रशिक्षणार्थियों के प्रवेश हेतु तत्संबंधी नियमों के अनुरूप ''स्टूडेंट वीजा'' अथवा ''लाँग टर्म वीजा'' के आधार पर आयु–सीमा शिथिल करने का एवम् प्रवेश देने का अधिकार सचिव को होगा।

उपस्थिति

90 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी। विशेष परिस्थिति में उपस्थिति में कमी होने पर निदेशक/सचिव 15 प्रतिशत तक संबंधित गुरू की अनुशंसा पर छूट प्रदान कर सकते हैं।

पाठ्यक्रम में प्रगति समीक्षा तथा उपस्थिति संख्या आदि हेतु निर्णय लेने में निदेशक/सचिव, संबंधित गुरू के अनुमोदनोपरान्त सक्षम होंगें।

संस्थान में प्रवेश हेतु चयन प्द्धति का प्राविधान है। प्रवेश हेतु परीक्षण समिति का निर्णय अन्तिम एवं मान्य होगा।

प्रारम्भिक पाठ्यक्रम अवधि–तीन वर्ष

परीक्षा एवं नृत्य के प्रति अभिरूचि के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। यह पाठ्यक्रम नव–शिक्षार्थियों को कथक नृत्य की मौलिक पद्धति का ज्ञान प्रदान करता है। साथ ही केन्द्र इस पद्धति के गहन प्रशिक्षण हेतु शिक्षार्थियों को प्रशिक्षित भी करता है।

इस पाठ्यक्रम हेतु कक्षायें सप्ताह में छः दिन नित्य एक से दो घंटे की अवधि तक चलती हैं। पाठ्यक्रम में एक सत्र में 50 से 60 अभ्यार्थियों को प्रशिक्षण की सुविधा प्राप्त है।

जूनियर डिप्लोमा अवधि–तीन वर्ष

प्रारम्भिक पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर उसके समकक्ष संस्था से दक्षता प्राप्त होने एवं/अथवा प्रवेश समिति के निर्णय के आधार पर ही प्रवेश देय होगा।

यह पाठ्यक्रम प्रारम्भिक कथक नृत्य प्रशिक्षण तथा उच्चतर कथक नृत्य प्रशिक्षण के बीच की कड़ी है। पाठ्यक्रम में प्रगति–समीक्षा तथा उपस्थिति संख्या आदि हेतु निर्णय लेने में निदेशक/सचिव/संबंधित गुरू सक्षम हैं।

सीनियर डिप्लोमा अवधि–दो वर्ष

1. जूनियर डिप्लोमा प्रशिक्षण का सफलतापूर्वक शिक्षण प्राप्त किया हो या उसके समकक्ष अन्य किसी संस्था से दक्षता प्राप्त होने पर एवं/अथवा प्रवेश समिति के निर्णय के आधार पर प्रवेश देय होगा।
2. न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल, किन्तु मेधावी प्रशिक्षणार्थियों को निदेशक/सचिव प्रवेश समिति द्वारा छूट देने पर विचार किया जा सकता है।

पाठ्यक्रम विवरण

यह पाठ्यक्रम शिक्षार्थियों में कथक नृत्य पद्धति की प्रदर्शन क्षमता में अभिवृद्धि हेतु निर्धारित किया गया है। पाठ्यक्रम का निर्धारण शिक्षार्थी में प्रदर्शकला की आवश्यक क्षमता के निर्वहन में कुशलता प्राप्त करने हेतु है। सप्ताह में 6 दिन कक्षाओं में प्रतिदिन 3 घंटा प्रशिक्षण आवश्यक है। एक सत्र में 15 से 20 शिक्षार्थी ही प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे।

एक वर्षीय पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रम

अर्हता : सीनियर डिप्लोमा कोर्स का प्रशिक्षण या समकक्ष एवं/अथवा प्रवेश समिति का निर्णय मान्य होगा।

पाठ्यक्रम विवरण

इस पाठ्यक्रम में प्रवेश कथक केन्द्र, लखनऊ द्वारा मेरिट आधारित चयन–प्रक्रिया से होगा। शैक्षिक योग्यता तथा आयु सीमा में छूट योग्य अभ्यार्थियों को देय होगी। इस पाठ्यक्रम में एक सत्र में 6 से 8 शिक्षार्थियों को ही प्रशिक्षण सुविधा प्राप्त होगी।

परीक्षा

केन्द्र द्वारा सत्र में दो बार परीक्षायें होंगी :

(1) अर्द्धवार्षिक परीक्षा —दिसम्बर माह में

(2) वार्षिक परीक्षा — मई माह के प्रथम सप्ताह में

शिक्षार्थियों को परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर ही प्रोन्नति प्रदान की जायेगी। क्रियात्मक शास्त्र एवं मौखिक परीक्षा में सभी में मूल्यांकन प्राप्त करना शिक्षार्थी के लिये अनिवार्य है।

प्रत्येक वर्ष के अंक जोड़कर ही अन्तिम मूल्यांकन किया जायेगा। प्रारम्भिक पाठ्यक्रम हेतु न्यूनतम उत्तीर्ण अंक 50% है। जूनियर एवं सीनियर डिप्लोमा हेतु न्यूनतम अंक 60% है। पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रम हेतु न्यूनतम उत्तीर्ण अंक 70% है। जिन शिक्षार्थियों को 80% अंक प्राप्त होंगे, वे विशेष योग्यता के पात्र होंगे।

प्रारम्भिक कक्षा	कुल 200 अंक
क्रिया पक्ष	125
शास्त्र/मौखिक	75

जूनियर डिप्लोमा	कुल 300 अंक
क्रिया पक्ष	150
शास्त्र	100
मौखिक	50

सीनियर डिप्लोमा पाठ्यक्रम	कुल 300 अंक
क्रिया पक्ष	150
शास्त्र	100
मौखिक	50

पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रम	कुल 400 अंक
क्रिया पक्ष	200
शास्त्र	100
मौखिक	100

केन्द्र–कार्यविधि

केन्द्र की प्रशिक्षण पद्वति परम्परागत व आधुनिक तरीकों से होगी। नृत्य के प्रयोगात्मक व शास्त्र पक्ष का नियमित प्रशिक्षण केन्द्र के अनुभवी शिक्षकों द्वारा ही दिया जायेगा।

केन्द्र की प्रस्तुतियों में शिक्षार्थी को भाग लेने का अवसर प्रदान किया जायेगा। समय–समय पर केन्द्र में आमंत्रित अनुभवी कलाकारों व विद्वत्जनों द्वारा सेमिनार एवं लघु कार्यशालाओं का आयोजन किया जायेगा। विद्यार्थियों को वीडियो, पुस्तकालय व नृत्य के कार्यक्रमों को देखने की सुविधा भी प्रदान की जायेगी।

केन्द्र का शैक्षिक सत्र 9 जुलाई से 24 दिसम्बर एवं 10 जनवरी से 14 मई में विभाजित होगा।

कथक केन्द्र का पाठ्यक्रम

प्रशिक्षण काल	:	कुल आठ वर्ष
न्यूनतम आयु–प्रवेश	:	आठ वर्ष
पाठ्यक्रम	:	1. प्रारम्भिक अवधि तीन वर्ष, यथा प्रारम्भिक प्रथम वर्ष प्रारम्भिक द्वितीय वर्ष प्रारम्भिक तृतीय वर्ष 2. जूनियर डिप्लोमा–अवधि तीन वर्ष 3. सीनियर डिप्लोमा–अवधि दो वर्ष 4. एक वर्षीय दक्षता पाठ्यक्रम

प्रारम्भिक प्रथम वर्ष

प्रयोगात्मक

1. तत्कार ठाह, दुगुन, चौगुन
2. प्रारम्भिक हस्त संचालन
3. थाट–1
4. आमद–1
5. तिहाइयां–4
6. नटवरी–2
7. टुकड़े–2
8. परन–1 (सादी)
9. गत–निकास–1
10. तत्कार के पलटे
11. चक्करों का ज्ञान

शास्त्र

1. तीन ताल, दादरा व कहरवा तालों का ज्ञान, पढ़न्त व ताललिपि।
2 कथक नृत्य का संक्षिप्त परिचय।
3. सामान्य पारिभाषिक शब्दों का अल्प परिचय (प्रयोगात्मक कक्षा के अनुसार)
4. चक्कर के प्रकारों का ज्ञान।

प्रारम्भिक द्वितीय वर्ष

प्रयोगात्मक

1. वन्दना–1
2. आमद–2
3. परन जुड़ी आमद–1
4. तिहाइयां–4
5. टुकड़े–2+2 (चक्करदार)
6. चक्करदार परन–1
7. परमेलू–1
8. गत–1
9. लड़ी–1

ताल : झपताल

1. तत्कार–ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन, तिहाई–4 (2 बेदम + 2 दमदार)
2. सादा, टुकड़ी–2, सादी परन–2, नटवरी–2, परमेलू–2

शास्त्र

1. तीन ताल व झपताल का मौखिक ज्ञान, पढन्त व ताललिपि : यथा–चक्रदार परन, परमेलू परन, जुड़ी आमद।
2. ताल पक्ष के प्रयोगात्मक पक्ष संबंधी पारिभाषिक शब्दों का अल्प परिचय।
3. स्व. बिन्दादीन महाराज व स्व. कालका प्रसाद जी का जीवन–परिचय।
4. लहरा, नगमा का ज्ञान।
5. घुंघरू एवम् पात्र के लक्षण।

प्रारम्भिक तृतीय वर्ष

प्रयोगात्मक

1. वन्दना–1 (द्वितीय वर्ष के अतिरिक्त)
2. चक्रदार टुकड़े–2
3. चक्रदार परमेलू–2
4. चक्रदार परन–2
5. भाव गत–1
6. कवित्त
7. बेदमतिहाई–1
8. परमेलू–2

ताल : एक ताल तथा झपताल

1. तत्कार–ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन
2. तिहाई–2
3. थाट–1
4. आमद–2
5. टुकड़े–2
6. परन–2
7. लड़ी–2

शास्त्र

1. पारिभाषिक शब्दों का ज्ञान, गत का विस्तृत ज्ञान, कवित्त, तिहाई–दम व बेदम, परमेलू।
2. कथक नृत्य का संक्षिप्त इतिहास।

3. जीवन परिचय : स्व. अच्छन महाराज, स्व. शम्भू महाराज, स्व. लच्छू महाराज।

4. ताल–लिपि का परिचय व पढ़न्त।

5. घरानों का संक्षिप्त परिचय।

6. अन्य शास्त्रीय नृत्यों का सामान्य परिचय।

जूनियर डिप्लोमा प्रथम वर्ष

क्रियात्मक

1. पूर्व पाठ्यक्रम का ज्ञान व नियमित अभ्यास। ताल–तीन ताल में अग्रेतर प्रशिक्षण।

2. भजन

3. छेड़छाड़ की गत।

4. तराना–1

5. ताल धमार में टुकड़े, तत्कार, परन व परमेलू का प्रशिक्षण (ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन) तिहाई–3, बेदम–3, दमदार।

शास्त्र

1. अंग, प्रत्यंग व उपांग, अभिनय दर्पण के अनुसार।

2. अभिनय के प्रकारों का ज्ञान।

3. ताल–लिपि व पढ़न्त (धमार, आड़ा, चौताल, सूल ताल)।

4. नर्तन के तीन भेद।

5. नट, नटी, सूत्रधार, चारी मण्डल, स्थानक।

6. रवीन्द्रनाथ टैगोर का भारतीय नृत्य के क्षेत्र में योगदान।

जूनियर डिप्लोमा द्वितीय वर्ष

क्रियात्मक

1. ठुमरी।

2. ताल अष्टमंगल का परिचय (तत्कार, टुकड़े, परन, नटवरी, परमेलू, तिहाइयां आदि)

3. होली गत या गोवर्द्धन लीला गत।

4. तीन ताल में जरब एवं लय बांट।

5. अष्टनायिकाओं में से दो नायिका परिचय।

शास्त्र

1. असंयुक्त एवं संयुक्त हस्त–मुद्रायें।

2. नेत्र, ग्रीवा, शिरोभेद का सामान्य परिचय।

3.ताल, लिपि व पढ़न्त (अष्टमंगल)।

4. नवरस का सामान्य परिचय।

5. नायक–नायिका परिचय।

6. मैडम मेनका का नृत्य जगत में योगदान।

जूनियर डिप्लोमा तृतीय वर्ष

क्रियात्मक

1. अग्रिम प्रशिक्षण के साथ नवरस अभिनय में प्रशिक्षण तथा तीन ताल में अग्रेतर प्रशिक्षण।

2. ताल शिखर का ज्ञान।

3. तत्कार, थाट, टुकड़े, परन, लड़ी (शिखर)।

4. तीन ताल में उपज।

5. बड़ी गत–अहिल्या उद्धार, मदन दहन।

6. किन्हीं चार अष्टनायिकाओं का ज्ञान।

7. जाति परन

शास्त्र

1. नायक–नायिका भेद।

2. कथक क्षेत्र के जयपुर घराने से संबंधित गुरूओं का जीवन–परिचय व योगदान।

3. ताल शिखर–ताललिपि व पढ़न्त।

4. ताल के दस प्राण।

5. गुरू उदय शंकर तथा रूक्मणि देवी अरूण्डेल का नृत्य क्षेत्र में योगदान।

सीनियर डिप्लोमा प्रथम वर्ष

क्रियात्मक

1. पूर्व कक्षा में प्राप्त प्रशिक्षण का अभ्यास एवं नवीन अग्रिम प्रशिक्षण।

2. ताल बसन्त का ज्ञान।

3. अभिनय–दादरा एवं झूला।

4. यति–परिचय, विभिन्न तालों में जाति व यति का प्रयोग।

5. एक बड़ी गत (यथा मदन दहन, कालियामर्दन, अहिल्या उद्धार)।

6. अष्ट नायिकाएं।

7. क्रम लय (एक से आठ तक)

शास्त्र

1. नृत्य का अन्य कलाओं से तुलनात्मक विश्लेषण।

2. संगीत–रत्नाकर व नाट्यशास्त्र के अनुसार नृत्य की परिचयात्मक व्याख्या।

3. नाट्यधर्मी व लोकधर्मी का ज्ञान।

4. रस व भाव का ज्ञान तथा नृत्य में इनका प्रयोग।

5. करण, अंगहार, बैले, ऑपेरा।

6. नाट्यशास्त्र के अनुसार रंगशाला का निर्माण।

7. रस सिद्धान्त का ज्ञान।

सीनियर डिप्लोमा द्वितीय वर्ष

क्रियात्मक

1. क्रमलय (एक से सोलह तक)।

2. कमाली व फरमाइशी परनें तथा टुकड़े।

3. बोलजाति व लयजाति का ज्ञान।

4. गजल व नज़्म पर अभिनय।

5. लयकारी का ज्ञान।

6. ताल गजझम्पा अथवा ताल लक्ष्मी का ज्ञान।

शास्त्र

1. रंगमंच–प्रस्तुति हेतु मेकअप, प्रकाश, वेशभूषा, मंचसज्जा आदि का ज्ञान तथा पूर्व के सभी नृत्य विषयक संदर्भों का पूर्ण ज्ञान।

2. एक लघु शोध–प्रबन्ध।

पोस्ट डिप्लोमा कोर्स (एक वर्षीय)

क्रियात्मक – किसी एक विषय पर

1. कथक में उपज अंग का ज्ञान।

2. कथक के ताल पक्ष अथवा अभिनय पक्ष में विशिष्टता।

3. नृत्य संयोजन–संरचना का ज्ञान।

अथवा

शास्त्र

1. कथक के भाव पक्ष अथवा ताल पक्ष से संबंधित किसी विषय का विशद् अध्ययन।

निदेशक
कथक केन्द्र
विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ

सचिव
उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी
विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ

उ.प्र. संगीत नाटक अकादमी

U.P. SANGEET NATAK AKADEMI

कथक केन्द्र

KATHAK KENDRA

विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ

Vipin Khand, Gomti Nagar, Lucknow

आवेदन पत्र

Applicaton Form

नोट: इस फार्म द्वारा चयन बोर्ड पर आपका प्रथम प्रभाव पड़ेगा, इसलिए कृपया यह फार्म साफ–साफ भरें, टाइप किया हो तो अधिक अच्छा है, संक्षिप्त और वास्तविक जानकारी दें, बढ़ा–चढ़ाकर न लिखें। किसी प्रकार के अधूरे प्रार्थना–पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

Note : Your first impression on the Selection Board will be through this form. Therefore, please see that it is neatly filled in, preferably typed. Be precise and factual; give only relevant information : make no exaggerated claims. Application incomplete in any respect will not be considered.

पूरा नाम श्री / श्रीमती / कुमारी.....

(स्पष्ट अक्षरों में)

Name in full.....

(In Block Letters) Sri/Smt./Km

वर्तमान पता (मोबाइल नंबर सहित) .....

Present Address.....

स्थायी पता (मोबाइल नंबर सहित).....

Permanent Address .....

.....

पिता / पति / अभिभावक का नाम एवं पता.....

Father/Husband/Gaurdian's Name and Address

पिता / पति / अभिभावक का व्यवसाय एवं वार्षिक आय .....

Father/Husband/Gaurdian's Profession & Annual Income

जन्म तिथि (प्रमाण पत्र संलग्न करें) .....

Date of Birth

विवाहित हैं या अविवाहित .....

Married or Unmarried

मातृभाषा .....

Mother Tongue

शैक्षिक योग्यताएं.....

Academic Qualification

इस प्रशिक्षण के लिये कोई छात्रवृत्ति प्राप्त की हो तो राशि एवं वर्ष .....

Whether receipt of any scholoarship for this training if so, amount & Period

स्त्रोत (आधार).....

Source

क्या पहले भी प्रवेश हेतु आवेदन किया है? यदि हाँ तो किस वर्ष .....

Have you applied for admission before? if so, please indicate in which year

क्या आप अनुसूचित जाति / जनजाति के सदस्य हैं.....

Are you a member of a Schedule Tribe/Schedule Caste

यदि हाँ तो उसका प्रमाण पत्र संलग्न कीजिए.....

If so, Attach proof thereof

संदर्भ

REFERENCES

कथक के क्षेत्र में कम से कम तीन व्यक्तियों के नाम दें जो कि आवेदक से संबंध न रखते हों लेकिन उनके कार्य की पूर्ण जानकारी रखते हों। उनके द्वारा दिये गये प्रमाणपत्र की प्रतियाँ फार्म के साथ संलग्न करें।

Atleast three persons eminent in the Kathak, not related to the applicant but familer with his/ her work, should be mentioned whose certification should be attached with this application.

नाम	**पता**	**स्तर**
Name	**Address**	**Position**
.....	.....	
.....	.....	
.....	.....	

प्रशिक्षणोपरान्त योजना.....

Plans after training

कोई अन्य सूचना .....

Any other Information

मैंने कथक केन्द्र के नियम पढ़ लिये हैं और प्रवेश प्राप्त करने पर नियमों का पालन करने के लिये बचनबद्ध हूँ।

I have read the rules of the Kathak Kendra and agree to abide by them, if admitted.

दिनांक

Date

.....

केवल कार्यालय के प्रयोग के लिये

FOR OFFICE USE ONLY

साक्षात्कार की तिथि.....

Interviewed on

साक्षात्कार की रिपोर्ट .....

Report of Interview

प्रवेश प्रदान किया / या नहीं किया गया.....

Admitted / Not admitted

निदेशक

Director